an>

Title: Need to plant tree species other than pine in hilly areas of Uttarakhand.

मेजर जनरल भुवन चन्द्र खंडूड़ी एवीएसएम (सेवानिवृत्त) (गढ़वाल)ः मेरे संसदीय क्षेत्र गढ़वाल के पांच जिले, जो कि मुख्यतः उत्तराखण्ड का पर्वतीय भू-भाग है, के जंगलों में चीड़ प्रजाति के वृक्ष बहुतायत में हैं। इस तथ्य की वैज्ञानिक पुष्टि भी है कि चीड़ प्रजाति के वृक्ष तेजी से जंगलों में फैलते हैं एवं वनस्पतियों के लिए प्रतिकूल हैं।

हर वर्ष उत्तराखण्ड के जंगलों में भीषण आग लगती है, जिससे कि करोड़ों की वन संपदा, जंगली जानवर एवं जान-माल की भी क्षति होती है। साथ ही पर्यावरण पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस आग का मुख्य कारण चीड़ प्रजाति के वृक्ष हैं, जिसकी सूखी पत्तियां आग को फैलाने का मुख्य कारण होती हैं।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि उत्तराखण्ड के जंगलों में चरणबद्ध तरीके से चीड़ के पेड़ हटाकर अन्य प्रजाति के पेड़ लगाने की आवश्यकता है, जिससे कि जैव विविधता बढ़ेगी, जल के स्रोत बढ़ेंगे एवं हर वर्ष होने वाली अग्नि त्रासदी पर भी विराम लगेगा।

केन्द्र सरकार द्वारा यह कार्य मिशन मोड पर योजनाबद्ध तरीके से शीघ्र किया जाना चाहिए एवं इसके लिए जो भी संसाधन वांछित हों, उनकी उपलब्धता कराई जानी चाहिए।